पाठ-4

अच्छा बनने में परमेश्वर आपकी सहायता करेगा

परमेश्वर के बारे में यह सीखें :

जो ठीक है उसको करने में परमेश्वर अपने बच्चों को सिखाता है।
परमेश्वर का शत्रु कोशिश करता है कि लोग पाप करें।
पाप ने आदम और हव्वा को परमेश्वर से अलग कर दिया।
जिन्होंने ग़लत काम किया है परमेश्वर उनको अभी भी प्यार करता है।
परमेश्वर बाइबल में बताता है कि आपको क्या करना है।

इस पद को अपनी बाइबल में से पांच बार ज़ोर-ज़ोर से पढ़ें :

"तब यहोवा परमेश्वर ने आदम (मनुष्य) को आज्ञा दी, कि तू वाटिका के सब वृक्षों का फल बिना खटके खा सकता है; पर भले या बुरे के ज्ञान का जो वृक्ष है, उसका फल तू कभी न खाना; क्योंकि जिस दिन तू उसका फल खाए उसी दिन अवश्य मर जाएगा।" उत्पत्ति 2:16, 17.

क्या आप यह कर सकते हैं ?

सही उत्तर वाले शब्द पर गोला बना दें, जैसा प्रश्न 1 में दिखाया गया है :

1. परमेश्वर क्या चाहता है कि उसके बच्चे कैसे बनें ? **अच्छे** **बुरे** ?
2. आदम को परमेश्वर से किसने अलग किया ? **प्रेम** **पाप**
3. क्या परमेश्वर अभी भी उन्हें प्यार करता है जो ग़लत काम करते हैं ? **हाँ** **नहीं**

उत्तर

1. अच्छे 2. पाप 3. हाँ

आपके सीखने के लिए शब्द

पाप का अर्थ है परमेश्वर की आज्ञा उल्लंघन या ग़लत काम करना।
पाप : वे बुरी बातें जो एक व्यक्ति करता या कहता है।
बुराई : का अर्थ है बुरा।
शैतान : परमेश्वर का शत्रु है जो लोगों को पाप करने के लिए उभारता है।
शैतान : इबलीस् का दूसरा नाम है।

परमेश्वर अपने बच्चों (सन्तानों) को सिखाता है कि जो सही (ठीक है) वही करें।

चिन्ह से आरम्भ व अन्त होनेवाले शब्दों के नीचे रेखा खींच दें

आदम और हव्वा एक पूर्ण और पाप-रहित संसार में रहते थे।
वह सब जो परमेश्वर ने बनाया था बहुत अच्छा था।
आदम और हव्वा भी अच्छे थे। परमेश्वर ने उन्हें अपनी समानता में अच्छा बनाया था।

आदम और हव्वा को क्या-क्या करना था वह परमेश्वर ने उन्हें बताया था। परमेश्वर ने उन्हें यह भी बताया था कि उन्हें क्या नहीं करना चाहिए।

परमेश्वर ने उनसे कहा था कि एक विशेष वृक्ष के फल को मत खाना।

उसने उन्हें चेतावनी भी दी थी कि यदि वे उसको खाएंगे तो मर जायेंगे।

परमेश्वर ने आदम और हव्वा से प्रेम किया।
वह उनसे चाहता था कि वे ठीक से रहें और उसकी आज्ञा मानें।
परमेश्वर नहीं चाहता था कि वे मर जाएँ।

परमेश्वर का शत्रु लोगों को पाप करने के लिए उभारता है।

परमेश्वर का एक शत्रु है उसका नाम शैतान या इवलीस् है। परमेश्वर अच्छा है परन्तु शैतान बुरा है। परमेश्वर लोगों की सहायता करता है कि वे अच्छे (भले) बनें और जो ठीक (सही) है वही करें। शैतान कोशिश करता है कि लोग बुरे काम करें।

एक दिन शैतान अदन की वाटिका में आया। शैतान ने हव्वा से बात करने के लिए अपने लिए सर्प का प्रयोग किया। सर्प ने हव्वा को वह फल दिखाया जिसे परमेश्वर ने खाने के लिए मना किया था। शैतान ने हव्वा से झूठ बोला। शैतान ने कहा, "इस फल को खा लो और तुम निश्चय न मरोगे। तुम परमेश्वर के तुल्य बुद्धिमान हो जाओगे।

हव्वा जानती थी कि उसे परमेश्वर की आज्ञा माननी चाहिए। परन्तु उसने शैतान के झूठ सुनने पर ध्यान लगाया। हव्वा ने उस फल में से तोड़कर कुछ खाया जिसे परमेश्वर ने खाने से मना किया था। परमेश्वर ने उनसे कहा था, इनमें से न खाना। हव्वा ने कुछ आदम को दिया और उसने भी खाया। आदम और हव्वा दोनों ने पाप किया। तब कुछ भयानक घटित हुआ।

पाप ने आदम और हव्वा को परमेश्वर से अलग कर दिया।

आदम और हव्वा जो हमेशा से परमेश्वर से प्रेम करते थे अब तो वे उससे भयभीत थे। वे जानते थे कि उन्होंने ग़लत काम किया है। उन्होंने अपने आपको परमेश्वर से छिपाने का प्रयत्न किया। वे तो नंगे और लज्जित (शर्मिन्दा) थे। उन्होंने पत्तों से अपना नंगापन ढांपा। परन्तु पत्तों के वस्त्र अच्छे नहीं थे।

परमेश्वर उन्हें अभी भी प्यार करता है जिन्होंने ग़लत काम किए हैं।

कोई भी अपने आपको परमेश्वर से छिपा नहीं सकता। आदम और हव्वा ने जो कुछ किया था उसे परमेश्वर ने देखा परन्तु परमेश्वर ने तब भी उन से प्यार किया। उसने उनके लिए जानवर की खाल के कपड़े (वस्त्र) बनाए।

परमेश्वर ने आदम और हव्वा से उनके पाप के विषय में बात की। ग़लत काम करने—आज्ञा तोड़ने के कारण परमेश्वर ने उन्हें दण्ड तो देना था। परमेश्वर ने दण्ड दिया और सिखाया कि वे सही काम करें। उन्हें अपनी सुन्दर अदन की वाटिका छोड़नी पड़ी जो उनका घर था। उनका पाप संसार में बीमारी और मृत्यु लाया। परन्तु परमेश्वर ने आदम और हव्वा से कहा कि एक उद्धारकर्ता आएगा। वह उद्धारकर्ता सब कुछ फिर से ठीक कर देगा।

परमेश्वर बाइबल में बताता है कि क्या करना चाहिए।

परमेश्वर आपको बताता है कि क्या ग़लत है और क्या ठीक है। क्या आपने वे बातें की हैं जिन्हें आप जानते थे कि ग़लत हैं? परमेश्वर आपसे अभी भी प्यार करता है और वह आपकी सहायता करना चाहता है। परमेश्वर से कहें कि मैंने ग़लती की है, मुझे क्षमा करें। उस से बचने के लिए सहायता माँगे। तब वही करें जो परमेश्वर आपसे करने के लिए कहता है। और तब आप प्रसन्न होंगे। बिस्तर पर जाने से पहले परमेश्वर से यह प्रार्थना करें:

प्रार्थना

हे परमेश्वर मैं क्षमा चाहता हूँ क्योंकि मैंने हर समय अच्छा करने की जगह बुरे काम किए हैं।
कृपया मुझे वह सब करने में सहायता करें जो आप मुझसे चाहते हैं कि मैं करूं। अब इस रात में मेरी रक्षा करें।